This question paper contains 4 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

6160

B.A. (Hons.) बी.ए.(ऑनर्स)/II E

HINDI—Paper V

हिंदी—प्रश्नपत्र V

(आधुनिक हिंदी कविता—I)

(नवजागरण और स्वच्छंदतावाद)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 38

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

I. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6+6=12

(क) स्वयं सुसज्जित कर के क्षण में
प्रियतम को, प्राणों के पण में
हमीं भेज देती हैं रण में,
क्षात्र-धर्म के नाते ।
सखि, वे मुझसे कह कर जाते ।

P.T.O.

अथवा

हँस लें भय शोक प्रेम या रण,

हँस लें काला पट ओढ़ मरण,

हँस लें जीवन के लघु लघु क्षण,

देकर निज चुंबन के मधु कण

नाविक अतीत की उतराई ।

(ख) हाय! मृत्यु का ऐसा अमर, अपार्थिव पूजन ?

जब विषण्ण निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन !

स्फटिक सौध में हो शृंगार मरण का शोभन,

नग्न, क्षुधातुर, वासविहीन रहें जीवित जन !

मानव ! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति ?

आत्मा का अपमान, प्रेत औ, छाया से रति ?

अथवा

धन से मनुष्य का पाप उभर आता है,

निर्धन जीवन यदि हुआ, बिखर जाता है ।

कहते हैं जिस को सुयश-कीर्ति, सो क्या है ?

कानों की यदि गुदगुदी नहीं, तो क्या है ?

यश-अयश-चिन्तना भूल स्थान पकड़ो रे !

यश नहीं, मात्र जीवन के लिए लड़ो रे !

2. 'अशोक की चिंता' के कथ्य पर विचार कीजिए । 9

अथवा

'यशोधरा' की नारी-भावना का विवेचन कीजिए ।

3. 'लहर' में चित्रित प्रकृति के विभिन्न रूपों का अंकन कीजिए । 9

अथवा

'सुमित्रानंदन पंत' की काव्य-चेतना का विश्लेषण कीजिए ।

4. 'परशुराम की प्रतीक्षा' का प्रतिपाद्य लिखिए । 8

अथवा

'मधुप गुनगुना कर कह जाता' की मूल भावना स्पष्ट कीजिए ।